CODE-KVS(DR)/2025/AS
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, DELHI REGION

MARKING SCHEME
PRE BOARD 1 EXAMINATION (2025-26)

CLASS – XII **SUB- HINDI (CORE) (302)**
M.M. – 80 **TIME – 3 HRS**

सामान्य निर्देश:-

* अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
* वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए।
* वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
* यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ।
* मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	**खण्ड-क (अपठित बोध)**	**अंक (18)**
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न-	10
(क)	(iii) भारत में आधुनिकता और पश्चिमीकरण का प्रभाव	1
(ख)	(iii) समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण	1
(ग)	(i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
(घ)	आधुनिक मूल्यों के साथ रूढ़िवादी परंपराएं शामिल रहती हैं।	1
(ङ.)	पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण करने की होड़ में हम अपनी भाषा, संस्कृति, वेशभूषा, कला, रहन-सहन, साहित्य आदि सभी को भूल गए हैं।	2
(च)	पश्चिमीकरण के अंतर्गत मौजूद आधुनिक मूल्यों का अनुकरण करना तार्किक एवं उपयुक्त लगता है।	2
(छ)	आधुनिकता आज समय की मांग है क्योंकि इस के कारण शिक्षा का प्रसार हुआ है, संचार के साधनों का प्रसार हुआ है और आधुनिकता के कारण आज लोगों ने समयोचित प्रगतिवादी दृष्टिकोण अपनाया है।	2
2.	**अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न-**	**(8)**
(क)	(i) मनुष्य को	1
(ख)	(i) पल-पल समर, नूतन सुमन-शय्या न देगा लेटने।	1
(ग)	(iii) केवल कथन (i) और (iii) सही है।	1
(घ)	जीवन एक युद्ध है जो निरंतर चलता रहता है और हम सफलता के लिए समस्या से लड़ते ही रहते हैं।	1
(ङ.)	वह जीवन रूपी युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों से हर हाल में विजय प्राप्त करने का आह्वान करता है अर्थात् जीवन की विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं माननी चाहिए।। हम भी ऐसे सैनिक बनें, जो असंभव को भी संभव कर दें।	2
(च)	जीवन में चाहे कितनी भी बाधाएं आए लेकिन उन बाधाओं को दूर करके मनुष्य को अपने जीवन में निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए।	2
प्रश्न संख्या	**खंड - ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	**22 अंक**
3..	दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख :-	1x6=6

	आरंभ -- 01 अंक विषयवस्तु -- 03 अंक प्रस्तुति -- 01 अंक भाषा -- 01 अंक	
4.	किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में :-	4x2=8
(क)	1. यह निरक्षर लोगों के काम नहीं आता हैं | 2. यह एक धीमी गति का माध्यम है |	2
(ख)	ऐसे विषय जिसकी कभी आशा न की गई हो। उन विषयों पर अपनी मौलिक व अनुभव आधारित अभिव्यक्ति।	2
(ग)	समाचार उलटा पिरामिड- शैली में लिखा जाता हैं। यह समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली है।	2
(घ)	क्या, कौन, कहा, कब, क्यों, कैसे।	2
(ङ)	1. दोनों में कथानक होते हैं। 2. दोनों में पात्र होते हैं।	2
5.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए:	**2x4=8**
(क)	टीवी खबरों के विभिन्न चरण निम्नलिखित हैं- 1. फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज, 2. ड्राइ एंकर, 3. फोन - इन, 4. एंकर - विजुवल, 5. एंकर - बाइट, 6. लाइव, 7. एंकर – पैकेज	4
(ख)	सामान्य विषय से हटकर किसी खास विषय पर किया गया लेखन विशेष लेखन कहलाता है। जैसे- अर्थ-व्यापार, खेल, विज्ञान, कृषि, विदेश, रक्षा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, फिल्म-मनोरंजन, अपराध, कानून आदि।	4
(ग)	खेल में कैरियर आज अपने उफान पर है, खेल पत्रकारों के लिए कैरियर के अद्भुत अवसर हैं - 02 अंक खेल पत्रकार की विशेषताएँ :- 02 अंक 1. खेल की तकनीक, नियमों, बारीकियों की समझ 2. खेल विशेष में कीर्तिमानों की जानकारी	4
प्रश्न संख्या	**खण्ड- ग (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)**	**अंक (40)**
6.	काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर:-	5x1=5
(क)	(ii) पेट भरने के लिए बेटा-बेटी को भी बेचने की विवशता	1
(ख)	(ii) ईश्वर कृपा से	1
(ग)	(i) धर्म-अधर्म करने पर	1
(घ)	(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है	1
(ङ.)	(iii) कविता	1
7.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में:-	2x3=6
(क)	कवि दीपावली के त्योहार के बारे में बताते हुए कहता है कि इस अवसर पर घर में पुताई की जाती है तथा उसे सजाया जाता है। घरों में मिठाई के नाम पर चीनी के बने खिलौने आते हैं। रोशनी भी की जाती है। बच्चे के छोटे-से घर में दिए के जलाने से माँ के मुखड़े की चमक में नयी आभा आ जाती है। रक्षाबंधन का त्योहार सावन के महीने में आता है। इस त्योहार पर आकाश में हल्की घटाएँ छाई होती हैं। राखी के लच्छे भी बिजली की तरह चमकते हुए प्रतीत होते हैं।	3
(ख)	सब घर एक कर देने का अर्थ है- आपसी भेद-भाव, अंतर और अलगाव बोध को समाप्त करके सबमें एक-जैसे अपनत्व की अनुभूति करना। बच्चे गली-मोहल्ले में खेलते हुए अपने-पराए का भेद भूल जाते हैं।	3
(ग)	इस कविता में प्रयुक्त सभी प्रतिमान जैसे चौका, बेल, स्लेट शंख आदि का जीवंत प्रयोग गाँव में होता है | इसलिए इसे गाँव की सुबह का गतिशील चित्र कहा गया है |	3
8.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में:-	2x2=4
(क)	रचना के संदर्भ में 'अंधड़' का अर्थ है-भावना का आवेग और 'बीज' का अर्थ है-विचार व अभिव्यक्ति। भावना के आवेग से कवि के मन में विचार का उदय होता है तथा रचना प्रकट होती है।	2

(ख)	यह कविता मीडियाकर्मियों और उनके संचालकों की क्रूरता पर व्यंग्य करती है। उनके लिए अपाहिजों के प्रति करुणा दिखाना भी एक खेल है। वे करुणा को बड़े क्रूर ढंग से दिखाकर धन अर्जित करते हैं। यह कविता इसी क्रूरता पर कटाक्ष करती है।	2
(ग)	सामाजिक प्राणी होने के नाते मनुष्य हर सबंध का निर्वाह करता है। उसे जीवन में अनेक तरह के कष्टों का सामना करना पड़ता है। कष्ट सहना मानव की नियति है। सुख-दुख समय के अनुसार आते-जाते रहते हैं। अत: मनुष्य को संतुलित तथा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर जीवन को उल्लासपूर्ण बनाना चाहिए। निरंतर काम में लगे रहकर कष्टों को भुलाया जा सकता है।	2
9.	गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर:-	5x1=5
(क)	(iii) पैसे की व्यंग्य-शक्ति	1
(ख)	(i) नैतिक सबलता	1
(ग)	(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।	1
(घ)	(ii) 3 1 2	1
(ड.)	(ii) केवल 3	1
10.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में:-	2x3=6
(क)	भक्तिन के आ जाने से महादेवी का खाना-पहनना देहाती ढरे में ढल गया। भक्तिन जो कुछ बनाना जानती थी, महादेवी को भी वैसा ही खाना पड़ा। जैसे- उन्हें रात को बने मकई के दलिए के साथ मट्ठा पीना पड़ा। बाजरे के तिल वाले पुए खाने पड़े। ज्वार के भुने हुए भुट्टे की खिचड़ी खानी पड़ी। सफेद महुए की लपसी का आनंद लेना पड़ा। इन सब चीजों को प्रायः देहाती लोग खाते हैं।	3
(ख)	'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ में लेखक द्वारा बताए गए तीन तत्त्व- 1. स्वतंत्रता, 2. समता, और 3. भ्रातृत्व हैं।	3
(ग)	ढोलक की आवाज से गाव के लोगो मे रात का सन्नाटा और भय कम होता था। महामारी से पीड़ित अधमरे से लोगों की नसों में एक उत्तेजना-सी फैल जाती थी। बच्चे-बूढ़े जवान सबकी आँखों के सामने दंगल का दृश्य और उत्साह नाचने लगता था। यद्यपि मरने वाले रोगी मौत से बच नहीं पाते थे, किंतु उन्हें जीते-जी मौत का भय सताना बंद कर देता था। वे आराम से मर सकते थे। इस प्रकार ढोल की आवाज उनके जीवन के कष्ट को कम करने में सहायक बनती थी।	3
11.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों मे दीजिए:-	2x2=4
(क)	इस पाठ मे महात्मा गांधी को अवधूत कहा गया है। जिस प्रकार शिरीष और अवधूत विपरीत परिस्थितियों में भी सरस बने रहते हैं वैसे ही गांधी जी भी घोर हिंसा में भी शांत और अहिंसक बने रहे। इसलिए लेखक ने उन्हें अवधूत कहा है।	2
(ख)	लेखक के अनुसार दासता केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता। दासता में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है। उदाहरणार्थ जाति-प्रथा की तरह ऐसे वर्ग का होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं।	2
(ग)	गुड़धानी गुड़ और अनाज के मेल से बने लड्डू को कहते हैं। यह गुड़धानी भी बादलों पर आधारित है। यदि बादल बरसेंगे, तभी गन्ना-गुड़ और चना-अनाज आदि पैदा होगा। अतः गुड़धानी का दाता भी बादल या भगवान इंद्र है। इसलिए पानी के साथ-साथ गुणधानी की मांग की जा रही है।	2
12.	किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में:-	2x5=10
(क)	1. वे सस्कारों मे बधे हुए सस्कारों व्यक्ति हैं। 2. परिवार की जिम्मेदारी निभाने वाले पारिवारिक व्यक्ति हैं। 3. ईमानदारी का पालन करने वाले हैं। 4. वे कर्तव्यशील हैं। 5. आधुनिकता से दूर रहने वाले। 6. आदर्श के अनुगामी हैं आदि।	5

(ख)	'जूझ है कहानी का नायक आनंदा अर्थात लेखक की छात्रावस्था में परिस्थितियाँ अत्यंत विपरीत थीं। उसके पिता के लिए खेती ही सब कुछ थी। पदा–लिखाई के प्रति उसकी सोच अच्छी न थी। वे लेखक से खेती का काम करवाने के अलावा पशु चराने का काम भी करवाना चाहते थे, इसीलिए उन्होंने आनंदा की पढाई छुडवा दी थी। आनंदा उनसे पढाई की बात कहते हुए भी डरता था। उसे डर था कि वे पढाई का नाम सुनते ही हड्डी –पसली एक कर देंगे। दत्ता जी राव सरकार के समझाने पर उन्होंने आनंदा को स्कूल भेजने की स्वीकृति तो है दी, पर यह भी शर्त रख दी कि प्रतिदिन शाम को खेत पर काम करने जरूर आएगा। इसके अलावा लेखक का दाखिला पाँचवीं कक्षा में हुआ, जहाँ दो लड़कों को छोड़कर बाकी सारे लड़के नए थे। उनमें शरारती लड़के उसका मजाक उडाते थे और उसका गमछा छीनकर अध्यापक की मेज़ पर रख देते के मध्यांतर की छुट्टी में बच्चों ने उसकी धोती खेलकर उसे तंग करने का प्रयास किया, फिर भी लेखक अत्यंत परिश्रम से अपनी पढाई के पति समर्पित रहा। यदि लेखक को जगह मैं होता तो इन परेशानियों और विपरीत परिस्थितियों के बीच मैं भी लेखक की तरह अडिग रहता और अपनी पढाई के प्रति कठिन मेहनत करते हुए अपने सपनों को जीवित रखने का हरसंभव प्रयास करता और सफलता प्राप्त करेना।	5
(ग)	मोहनजोदड़ो के निकट बहती हुई सिंधु नदी, नगर में कुए, स्नानागार और बेजोड़ पानी निकासी व्यवस्था को देखकर लेखक ने सिंधु घाटी की सभ्यता को जल-संस्कृति कहा है। हमारा मत भी लेखक के पक्ष में है जिसके निम्न कारण हैं- 1. संसार के महत्त्वपूर्ण नगर जल-स्रोतों (नदी आदि) पर स्थित हैं। मोहनजोदड़ो के निकट ही सिंधु नदी बहती थी। 2. जल-निकासी की ऐसी व्यवस्था तो आज के भी नगरों में प्रायः नहीं दिखाई देती। प्रत्येक नाली पक्की ईंटों से बनी है और साथ ही ईंटों से ढकी हुई भी है। आज के नगरों और कस्बों की बजबजाती नालियाँ क्या कभी मोहनजोदड़ों जैसी बन पाएँगी? 3. पीने के पानी के लिए नगर में लगभग 700 कुएँ थे। 4. बहुत बड़े-बड़े मकान न होकर छोटे-छोटे आकार वाले तथा उनमें भी छोटे-छोटे कमरों वाले भवन थे जिससे अधिक से अधिक जनता को आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सके। लेकिन सब मकानों में अलग स्नान-घर थे। उपरोक्त विशेषताओं को देखकर हम कह सकते हैं कि सिंधु घाटी सभ्यता जल-संस्कृति का अच्छा उदाहरण है।	5
	**********	

नोट- उपरोक्त विवरणात्मक उत्तर और उससे सम्बन्धित बिंदु सांकेतिक हैं। अन्य उत्तर और उससे सम्बन्धित बिंदु विचारणीय व स्वीकार्य हो सकते हैं।